Seat No. : _____

NJ-122-H

December-2015

B.A., Sem.-III

Elective (EC-I)-201 : Psychology

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

1. बाल मनोविज्ञान के स्वरूप का वर्णन कीजिए । **14**

अथवा

बाल मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र का वर्णन कीजिए ।

2. फ्रॉयड का मनोविश्लेषणात्मक अभिगम संक्षिप्त में समझाइए । **14**

अथवा

एरिक्स द्वारा दर्शाए गए व्यक्तित्व विकास की अवस्थाओं को समझाइए ।

3. शिशु में जन्म से पूर्व और पश्चात् शीर्ष, हाथ, छाती(सिना), पैर, स्नायु तथा वसा का विकास किस प्रकार होता है ? **14**

अथवा

शिशु के दैहिक विकास को प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा कीजिए ।

4. शिशु के विभिन्न आवेश (आवेग) दर्शाकर, किन्हीं दो का वर्णन कीजिए । **14**

अथवा

शिशु में डर का समाधान करने के तरीके समझाइए ।

5. (A) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : **7**

(1) शिशु का संक्रमणकाल _____ है । (वयस्क अवस्था, किशोरावस्था)

(2) ईड का नियंत्रण_____ द्वारा होता है । (अहम्, उच्चअहम्)

(3) वर्तनवाद की स्थापना _____ ने की थी । (स्किनर, वोट्सन)

(4) सभी शिशु _____ होते हैं । (समान, भिन्न)

(5) आवेश के _____ और _____ पहलू होते हैं । (दैहिक-मानसिक, आवेशित-आर्थिक)

(6) दूध-दंत _____ होते हैं । (स्थाई, अस्थाई)

(7) मनोसामाजिक सिद्धांत में _____ स्तर होते हैं । (8, 6)

(B) युग्मों का मिलान कीजिए : **7**

A	**B**
बाल-मनोविज्ञान की व्याख्या	जनिन तत्त्व
क्रोध	व्यक्तित्व
गुणसूत्र	धनात्मक आवेश
गुदा अवस्था	एलिजाबेथ हरलॉक
ईगो	ऋणात्मक आवेश
दया	एरिक्सन
मनोसामाजिक सिद्धांत	मनोजातीय विकास की अवस्था